पाठ १४ बीज

कहानी का सारांश

इस कविता में दीपा बलसावर ने एक बीज के बारे में बताया है। उन्होंने बताया कि वह बीज किस तरह से एक गमले में रखा, पानी और धूप दी, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि वह बीज किस तरह का होगा, क्या वह पेड़ बनेगा, क्या वह फूलेगा, और क्या वह फल देगा। यह कविता हमें यह सिखाती है कि कभी-कभी हमें कुछ चीजों के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती, लेकिन फिर भी हमें इन्हें समझने और देखभाल करने की कोशिश करनी चाहिए।

शब्दार्थ:

बीज - दाना, अनाज

गमला - कूँड़ा, फूल-दान

धूप - प्रकाश, आभा

पेड़ - तरू, रुक्ष

फूल - पुष्प, कुसुम

फ़र्क - अंतर, फ़ासला

प्रश्न-अभ्यास

बातचीत के लिए

1. बीज कहाँ मिला होगा?

उत्तर – बीज सड़क के किनारे पर पड़ा हुआ होगा।

2. पेड़ और झड़ी बमें कोई फ़र्क होता हैं क्या?

उत्तर - पेड़ बड़ा और झाड़ी छोटी होती हैं।

3. कहानी में क्यों कहा गया है की 'कोई फ़र्क नहीं पड़ता'?

उत्तर - इसलिए कहा गया क्योंकि बच्चा जो कर सकता था वो उसने कर दिया। अब चाहे पेड़ निकले या और कुछ उसे कोई फ़र्क नहीं पड़ता।

4. क्या आपने कभी बिज बोया है? या किसी और को बीज बोते देखा है?

उत्तर - हाँ, मैंने बीज बोया है और मेरे पिताजी ने भी मेरे साथ बीज बोने में मेरी मदद की है

5. बीज बोने के लिए _____, _____, और _____ की आवश्यकता पड़ती है।

उत्तर - एक गमला, पानी और बहुत साडी धूप।

6. बीज में _____ भी लग सकते हैं और _____ भी।

उत्तर – फल, फूल।